दृष्टि The Vision

1 SEP 2019

drishti

GENERAL STUDIES (Module – 7)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/19 (N-M)–M–**GS17**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Sandeep Kumar Patel

Mobile Number: ____________

Medium (English/Hindi): Hindi

Reg. Number: IP - 19/1121

Center & Date: Delhi, 01/09/19

UPSC Roll No. *(If allotted)*: 0867996

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

1. हड़प्पा काल के चित्रकारों में उत्कृष्ट कलात्मक संवेदनशीलता और जीवंत कल्पनाएँ विद्यमान थीं। चर्चा कीजिये।

(150 शब्द) 10

The artists of the Harappan period had fine artistic sensibilities and vivid imaginations. Discuss.

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

भारत की प्रथम नगरीय सभ्यता 'हड़प्पा' अपने ऐतिहासिक, सामाजिक, वैज्ञानिक एवं कलात्मक अभिव्यक्तियों के लिये महत्वपूर्ण रही है, जिसमें चित्रकला की कलात्मकता और संवेदनशीलता प्रशंसनीय है।

प्रमुख विशेषतायें –

(1) इस काल के चित्र मृदभांडो, सिक्कों में मिले हैं - जैसे- पशुपतिनाथ की मुद्रा

(2) प्राकृतिक रंगों का प्रयोग किया जाता था।

(3) अपने दैनिक जीवन से लेकर विभिन्न कलायें, सांस्कृतिक उत्सव, धार्मिक रीति-रिवाजों का वर्णन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(4) पक्के एवं कच्ची मिट्टी के मृदभांडों में पंचतंत्र की कथायें - जैसे हिरण आदि के चित्र मिलते हैं।

(5) लोथल, मोहनजोदड़ो, कालीबंगा में कलात्मक चित्र ·

स्पष्ट है कि हड़प्पा काल में भले ही सूक्ष्म स्तर पर मौलिक कला एवं वैज्ञानिक चित्रण न हो परंतु तत्कालीन परिस्थितियों का वर्णन भली भांति मिलता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

2. छठी शताब्दी के धार्मिक आंदोलन के फलस्वरूप भारत में जैन तथा बौद्ध धर्म अस्तित्व में आए। टिप्पणी कीजिये।

(150 शब्द) 10

Jainism and Buddhism emerged in India in response to religious unrest in the 6th century. Comment.

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जैन तथा बौद्ध धर्म दोनो ही समतामूलक समाज की स्थापना पर बल देते हैं जो उत्तर वैदिक काल में वर्ण व्यवस्था के विरोध के परिणामस्वरूप पैदा हुये थे।

छठी शताब्दी का धार्मिक आंदोलन

- वर्ण व्यवस्था का बढ़ता प्रभाव
- सती प्रथा, देवदासी प्रथा जैसी रूढ़िया प्रचलित –
- शूद्रों की दयनीय स्थिति
- वैश्य समाज धनी किंतु सामाजिक सोपानुक्रम में नीचे
- सामाजिक स्तर पर रूढ़िवादिता का बढ़ता स्तर
- हिन्दू धर्म में भाषायी स्तर पर भी संस्कृत को महत्व

इन सभी कारणों के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं चाहिये। (Candidate m write on this

फलस्वरूप जैन एवं बौद्ध धर्म अस्तित्व में आये। जो अपने-अपने स्तर पर इन आडंबरों एवं असमानताओं का विरोध करते थे। दोनो ही धर्म मानते थे कि -

1. प्रत्येक प्राणी एकसमान है
2. एक ही ईश्वर पर बल
3. सभी वर्णों के लिये समान उपासना पद्धति
4. निवृत्तिमूलक पक्ष पर अधिक बल
5. आडंबरों का स्पष्ट विरोध

अत: समाज में बौद्ध एवं जैन धर्म अत्यंत प्रचलित हुये।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

3. आतंकवादी राष्ट्रवाद के उद्भव की स्थितियाँ बंगाल विभाजन की घोषणा से पूर्व ही विकसित हो चुकी थीं। टिप्पणी कीजिये।
(150 शब्द) 10

Conditions for the emergence of militant nationalism had already developed when the partition of Bengal was announced. Comment.
(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारतीय राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन में 20 वीं सदी के पहले दशक में क्रांतिकारी आतंकवाद की पहली धारा का उद्भव हुआ, जिसकी पृष्ठभूमि बंगाल विभाजन के पहले से तैयार हो रही थी।

उद्भव की परिस्थितियाँ

- उदारवादियों की निष्क्रिय पद्धति के प्रति आशंका एवं असंतोष
- दादा भाई नौरोजी जैसे विचारकों ने धन बहिर्गमन का सिद्धांत दिया
- तिलक जैसे नेता लगातार पत्रिका के माध्यम से उग्र विचार लिख रहे थे।
- शचीन्द्रनाथ सान्याल, सावरकर जैसे

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवा
हाशिये म
चाहिये।
(Candida
write on

क्रांतिकारी विभिन्न संगठनों के माध्यम से उग्र विचार प्रचारित कर रहे थे।

→ बंगाल में अनुशीलन समिति का प्रभाव
→ राष्ट्रवाद का आरंभिक स्वरूप
→ विदेशों में विभिन्न क्रांतिकारी आंदोलन

बंगाल विभाजन का प्रभाव - इन परिस्थितियों के बीच बंगाल विभाजन ने आग में घी डालने का काम किया। फलत: आतंकवादी राष्ट्रवाद पनप उठा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

4. भारत के डीप ओशन मिशन के उद्देश्यों और महत्त्व की चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the objectives and significance of India's Deep Ocean Mission. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत सरकार ने समुद्री संसाधनों के पूर्ण लाभ लेने के उद्देश्य से 'डीप ओशन मिशन' का आरंभ किया है।

उद्देश्य

- समुद्री पॉलीमेटालिक नोड्यूलस जैसे मैंगनीज आदि का दोहन
- समुद्री खनिज लवण का उपयोग
- 'सी-फूड' का उपयोग
- अवसंरचना निर्माण कर मत्स्य पालन को बढ़ावा देना
- ऊर्जा के वैकल्पिक साधन का प्रयोग

'डीप ओशन मिशन' भारतीय अर्थव्यवस्था द्वारा घोषित लक्ष्य 'नीली क्रांति' की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके महत्व

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

निम्नलिखित है—

महत्व
- संसाधनों का दोहन
- पोषक तत्वों की प्राप्ति
- ऊर्जा का विकल्प
- आर्थिक लाभ
- रोजगार सृजन
- नीली क्रांति

यदि भारत को 5 ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनना है तो समुद्री संसाधनों का प्रयोग अनिवार्य है, अतः डीप ओशन मिशन लाभदायक होगा।

उम्मीदव
हाशिये
चाहिये।
(Candid
write on

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. भू-चुंबकत्व की अवधारणा की व्याख्या कीजिये। पृथ्वी के चुंबकीय उत्तरी ध्रुव में हाल में हुए परिवर्तन/स्थानांतरण के प्रभाव की विवेचना कीजिये।

(150 शब्द) 10

Explain the concept of geomagnetism. Discuss the impact of recent shift in the Earth's magnetic north pole.

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पृथ्वी की आंतरिक परत (कोड) में मैग्मा एवं लोहे के कारण उत्तर एवं दक्षिण दिशा मे चुंबकत्व निर्मित होता है जिसकी दिशा उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव की ओर होती है। इसे भू-चुंबकत्व कहते हैं।

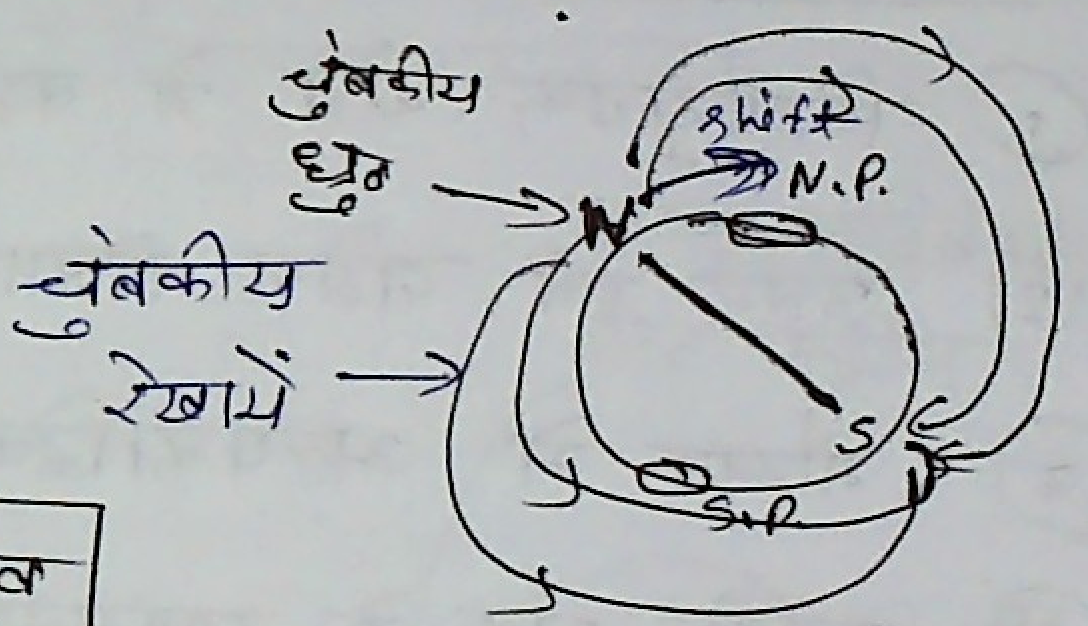

चुंबकीय ध्रुव

1. यह प्राकृतिक ध्रुव के अलावा अन्य दो ध्रुव हैं।
2. चुंबकीय रेखायें वायुमंडल में उत्तरी ध्रुव से निकलकर दक्षिणी ध्रुव में जाती हैं।
3. इसकी उत्पत्ति का मूल कारण पृथ्वी की घूर्णन गति है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(4) घूर्णन गति में परिवर्तन के परिणामस्वरूप चुंबकीय ध्रुव का स्थानांतरण होता रहता है। यह हर एक लाख साल में पलट जाते हैं।

(5) वर्तमान में उत्तरी ध्रुव का स्थानांतरण पूर्व की ओर हो रहा है।

स्थानांतरण का प्रभाव

(1) दिशासूचक यंत्र में बदलाव

(2) उत्तर एवं दक्षिण दिशा में विचलन

(3) मौसम में अल्पकालिक परिवर्तन

(4) उत्तरी ध्रुव के स्थानांतरण से वहाँ के निवासियों के व्यवहार में परिवर्तन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीद
हाशिये
चाहिये
(Cand
write o

drishti | दृष्टि The Vision

6. जेट प्रवाह (जेट स्ट्रीम) क्या हैं? ये भारत की जलवायु को किस प्रकार प्रभावित करती हैं?

(150 शब्द) 10

What are Jet streams? How do they affect the climate of India? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जेट स्ट्रीम एक तेज़की तरंग है जो ऊपरी वायुमंडल में विसर्पण करते हुये पश्चिम से पूर्व की ओर प्रवाहित होती हैं तथा मौसम में परिवर्तन के लिये उत्तरदायी होती हैं।

जेट स्ट्रीम

उपोष्ण कटिबंधीय पूर्वी जेट स्ट्रीम
↓
ये वातागती वर्षा के लिये उत्तरदायी होती हैं एवं उच्च अक्षांशों में चलती हैं।

ऊष्ण कटिबंधीय जेट स्ट्रीम

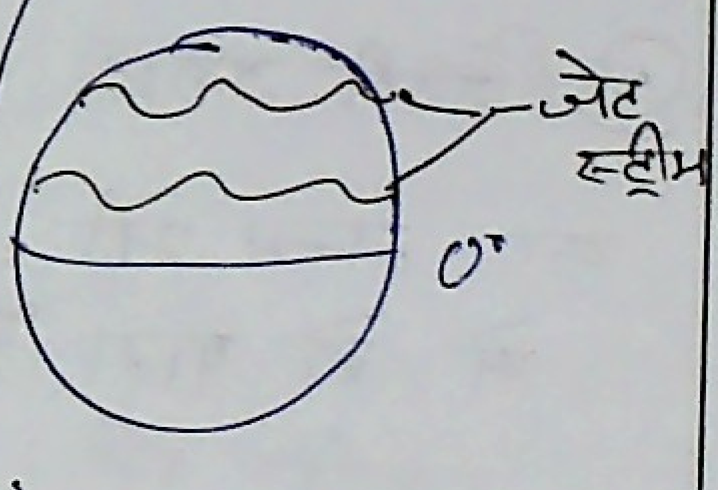

इनकी अनुपस्थिति भारत में मानसून के लिये उत्तरदायी है।
ये निम्न अक्षांशों में चलती हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

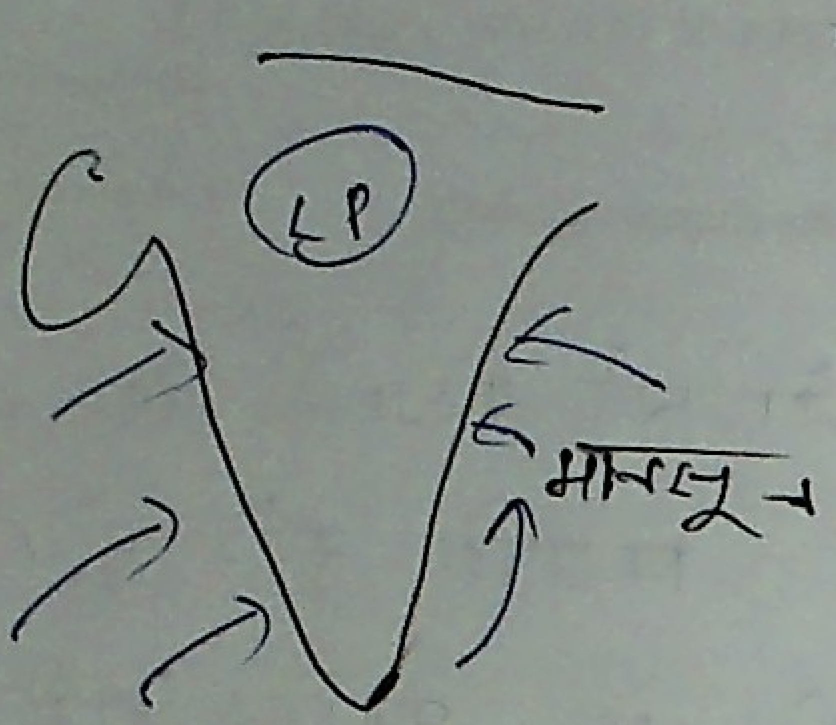

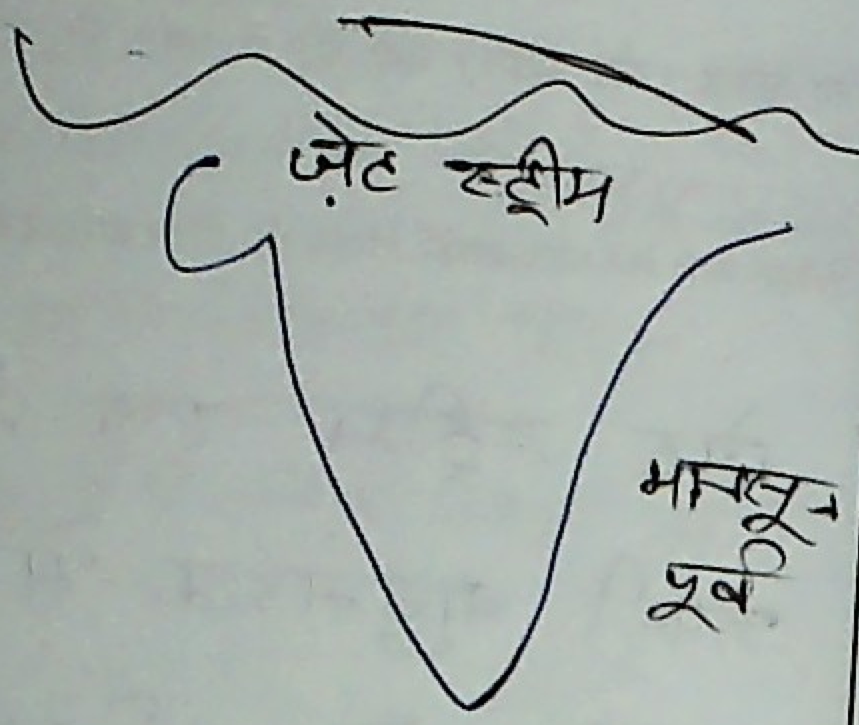

जेट स्ट्रीम का भारतीय जलवायु पर प्रभाव -

(1) जेट स्ट्रीम की उपस्थिति में भारत में निम्न वायुदाब नहीं बनता।

(2) जब जेट स्ट्रीम का उत्तरायन हो जाता है तो मानसून का आगमन होता है।

(3) इसी प्रकार ऊष्ण कटिबंधीय चक्रवात का जन्म भी जेट स्ट्रीम की अनुपस्थिति में हो पाता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. हिमनदों के पीछे हटने (हिमनद रिट्रीट) से आप क्या समझते हैं? हिमालयी हिमनदों के पीछे हटने से भारतीय उपमहाद्वीप पर पड़ने वाले प्रभावों की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

What do you understand by glacial retreat? Discuss the impact of retreating Himalayan glaciers on Indian subcontinent. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

तापमान वृद्धि से हिमनदों का पिघलना हिमनद रिट्रीट कहलाता है।

कारण
- ग्लोबल वार्मिंग
- जलवायु परिवर्तन
- निर्वनीकरण

भारत पर प्रभाव
- मानसून की अनिश्चितता
- निम्न वायुदाब का न बनना
- उत्तरी शीत लहर का अधिक प्रभाव
- वर्षा में कमी
- जैव विविधता को संकट

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

8. आप 'धर्मनिरपेक्षता' और 'लैंगिक न्याय' के मापदंडों पर तीन तलाक विधेयक के पारित होने का परीक्षण किस प्रकार करते हैं?

(150 शब्द) 10

How do you evaluate the passage of Triple Talaq Bill on the parameters of 'secularism' and 'gender justice'?

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

'तीन तलाक विधेयक' के अनुसार कोई भी पुरुष मुस्लिम महिला को तीन बार तलाक कहकर अर्थात तलाक-ए-बिद्दत से तलाक नहीं दे सकता।

प्रमुख प्रावधान

- इसे आपराधिक कृत्य माना गया है। तीन साल तक की सजा।
- तलाक-ए-बिद्दत पर प्रतिबंध
- महिला एवं उसके रिश्तेदार शिकायत कर सकेंगे।

धर्म निरपेक्षता के आधार पर

धर्म निरपेक्षता भारत का आधारभूत ढाँचा है, जिसे बोम्मई केस में SC ने स्वीकार किया था।

तीन तलाक केवल मुस्लिम समाज में प्रचलित था, अतः इस विधेयक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

को मुस्लिम पुरुषों पर आरोपित किया जा सकेगा। किंतु यह कुप्रथा धर्म से ही संबंधित थी अतः सरकार ने हस्तक्षेप कर इसे संशोधित किया। भारतीय धर्म निरपेक्षता में सरकार धर्म के आधार पर किसी अनैतिक कृत्य को रोक सकती है अतः यह उचित है।

<u>लैंगिक न्याय</u>

- मुस्लिम महिलाओं के पक्ष में
- तीन तलाक से लैंगिक अन्याय होता था
- लैंगिक न्याय सुनिश्चित करने के लिये यह विधेयक लाना अनिवार्य था।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

9. पारंपरिक भारतीय समाज में ऐसी कौन-सी अक्षमताएँ थीं जिनका सामना महिलाओं को करना पड़ा? उनके निवारण हेतु आधुनिक सुधार आंदोलनों द्वारा उठाए गए कदमों की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

What were some of the disabilities from which women suffered in traditional Indian society? Discuss the steps taken by the modern reform movements for their emancipation. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

पारंपरिक समाज में महिला विरोधी अक्षमताएँ -

(1) सती प्रथा (3) देवदासी प्रथा
(2) पर्दा प्रथा (4) बाल विवाह
(5) शिक्षा के अवसर उपलब्ध नहीं
(6) नारी को मात्र उपभोग की वस्तु समझा जाना
(7) लैंगिक अन्याय

इन कुरीतियों से निपटने के लिये आधुनिक सामाजिक सुधार आंदोलनों ने अनेक कदम उठाये -

(1) राजा राममोहन राय ने सती प्रथा निरोधक कानून के लिये आंदोलन चलाया।

(2) ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने विधवा पुनर्विवाह विधेयक पारित करवाया जो

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

जो सती प्रथा की तार्किक परिणाम था।

(3) बहराम जी मालाबारी के प्रयासों से 'एज ऑफ कंसेन्ट एक्ट' पारित किया गया जिसमें विवाह की आयु 12 वर्ष की गई।

(4) शारदा अधिनियम पारित किया गया जो बाल विवाह को रोकता था।

(5) स्वतंत्रता के पश्चात महिलाओं को तलाक का अधिकार मिला।

(6) हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम में महिलाओं का संपत्ति मे समान अधिकार

(7) हाल ही में मुस्लिम महिलाओं के लिये तीन तलाक अधिनियम।

प्रत्येक सुधार आंदोलन महिलाओं की प्रगति मे वृद्धि करता है जो एक सभ्य समाज के लिये आवश्यक है।

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं ... चाहिये। (Candidate m... write on this ...

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

10. सांप्रदायिकता क्या है? क्या आप सहमत हैं कि सांप्रदायिकता की समस्या औपनिवेशिक शासकों की भारत को एक भेंट है?

(150 शब्द) 10

What is communalism? Do you agree that the problem of communalism is a gift of colonial rulers to India?

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

एक धर्म के लोगों द्वारा दूसरे धर्म के प्रति असहिष्णुता एवं अलगाव की भावना सांप्रदायिकता कहलाती है। इसमें निहित है कि -

1. दो अलग-अलग धर्म साथ नहीं रह सकते।
2. दोनों के हित परस्पर विरोधी हैं।

औपनिवेशिक शासकों का योगदान

- फूट डालो और राज करो।
- मुस्लिम पृथक निर्वाचन प्रणाली
- मुस्लिम तुष्टीकरण की नीति
- मुस्लिम लीग को प्रोत्साहन
- पाकिस्तान की माँग का समर्थन
- द्विराष्ट्र सिद्धांत का समर्थन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार क
हाशिये में न
चाहिये।
(Candidate r
write on this

किंतु केवल औपनिवेशिक शासकों का योगदान नहीं बल्कि -

1. हिन्दू - मुस्लिम में ऐतिहासिक कटुता
2. मुस्लिम पृथक निर्वाचन को लखनऊ अधिवेशन में स्वीकृति किंतु नेहरू रिपोर्ट में खारिज करना।
3. मुस्लिमों में शिक्षा का अभाव फलतः बड़े पदों पर हिन्दू नियुक्त
4. मुस्लिम नेताओं द्वारा वोट - बैंक की राजनीति एवं हिन्दू सांप्रदायिक नेताओं द्वारा हिन्दुओं का तुष्टीकरण

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

11. ब्रिटिश व्यापार एवं उद्योग के हितों के तहत भारतीय अर्थव्यवस्था की अधीनता के अनेक तथा विविध परिणाम प्राप्त हुए थे। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

The results of subordination of the Indian economy to the interests of British trade and industry were many and varied. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

"अर्थशास्त्री एवं इतिहासकार रमेशचंद्र दत्त ने ब्रिटिश काल में भारतीय उपमहाद्वीप के शोषण के विभिन्न चरण बताये हैं

- व्यापारिक पूंजीवाद (1757-1813)
- औद्योगिक पूंजीवाद (1813-58)
- वित्तीय पूंजीवाद (1858 के बाद)

उपर्युक्त तीनों कालों में ब्रिटिश साम्राज्यवादी नीतियाँ उनके व्यापार एवं उद्योग के हितों से परिचालित थीं। जैसे -

① आर्थिक नीतियाँ

- भू राजस्व नीतियों के तहत अधिकतम लगान
- व्यापारिक कृषि को प्रोत्साहित कर कच्चा माल प्राप्त करना
- अफीम की खेती एवं नील की खेती
- धन बहिर्गमन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

② प्रशासनिक
- → रेलवे एवं पुलिस के द्वारा दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँच
- → जनजातियों के क्षेत्रों में भी निर्माण कार्य
- → दंड संहिता

③ सामाजिक - सांस्कृतिक
- → ईसाई मिशनरियों द्वारा प्रचार
- → आंग्लवादी शिक्षा पद्धति
- → ऐसा वर्ग तैयार करना जो ब्रिटिश हितों का द्योतक हो।

नीतियों के विविध परिणाम

① हस्तशिल्प उद्योगों का पतन
- → राजा जो आश्रय देते थे अधीन हो गये
- → ब्रिटिश निर्मित माल सस्ता होने से प्रतिस्पर्द्धा नहीं
- → परिणामस्वरूप बेरोजगारी एवं निर्धनता बढ़ी तथा कृषि पर बोझ बढ़ा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(2) कृषि अर्थव्यवस्था का संकट

- अत्यधिक लगान राशि एवं जमींदारों का शोषण
- किसान कर्ज के चंगुल में
- व्यापारिक फसलों से अकाल

→ भारतीय कृषि एवं हस्तशिल्प उद्योगों का साहचर्य खत्म होने से निर्धनता बढ़ी।

(3) सामाजिक - सांस्कृतिक परिवर्तन

- धर्म सुधार आंदोलन
- सती प्रथा, विधवापुनर्विवाह कानून
- राष्ट्रवाद का उदय
- साम्राज्यवाद के प्रति विरोध

यह भी स्पष्ट है कि ब्रिटिश नीतियों के परिणामस्वरूप नेताओं ने धन निकासी जैसे सिद्धांत देकर राष्ट्रवाद के जागरण में भूमिका निभाई फलतः स्वतंत्रता आंदोलन चल सका।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

12. ऐसी कौन-सी परिस्थितियाँ थीं जिन्होंने 19वीं शताब्दी में साम्राज्यवाद के विकास में सहायता प्रदान की? साथ ही एक साम्राज्यवादी राष्ट्र के रूप में जापान के उद्भव पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

What were the conditions that helped the growth of imperialism in the 19th century? Also discuss the evolution of Japan as an imperialist power. (250 words) 15

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं ... चाहिये। (Candidate mu... write on this m...)

19 वीं सदी में यूरोप के विभिन्न राज्यों ने शेष विश्व पर आर्थिक एवं राजनैतिक नियंत्रण स्थापित किया जिसे साम्राज्यवाद कहा जाता है।

उत्तरदायी परिस्थितियाँ

① पुनर्जागरण एवं पुनर्बोधन
- → 18 वीं सदी में नये व्यापारिक मार्गों की खोज
- → नवीन आविष्कारों से औद्योगिक क्रांति
- → फलत: लाभ कमाने की होड़

② औद्योगिक क्रांति
- → औद्योगिक क्रांति के परिणामस्वरूप उत्पादन में वृद्धि जिसके लिये बाजारों की आवश्यकता
- → कच्चे माल की आवश्यकता
- → नवीन जहाजों, तोपों, युद्ध सामान का निर्माण → लाभ कमाने पर बल

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

↳ कमजोर राज्यों पर प्रशासनिक नियंत्रण करने की प्रवृत्ति

(3) राष्ट्रवाद का उदय → यूरोप में हीगल जैसे विचारकों से नवीन राष्ट्रवाद का उदय हुआ

↳ ये राष्ट्र अपने प्रभुत्व के लिये साम्राज्यवाद को काम्य मानते थे।

↳ शक्ति एवं साम्राज्यवाद का संघर्ष

(4) इटली एवं जर्मनी का एकीकरण

↳ दो नये राष्ट्रों के उदय से साम्राज्यवादी प्रतिस्पर्धा में वृद्धि

↳ औपनिवेशिक होड़ एवं मुक्त व्यापार की अवधारणा

ऐसी ही परिस्थितियों में एशिया में जापान का एक साम्राज्यवादी देश के रूप में उदय हुआ जिसने विश्वयुद्ध (द्वितीय) में जर्मनी ~~एवं जापान~~ के साथ मिलकर नरसंहार किया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि... चाहिये। (Candidate must ... write on this mar...)

जापान के उद्भव की परिस्थितियाँ

→ 19 वीं सदी में जापान ने आधुनिक तकनीक एवं पूंजीवाद को अपनाया
↓
तीव्र औद्योगिक विकास
↓
राष्ट्रवाद की अवधारणा।

→ औद्योगिक विकास से साम्राज्यवादी होड़ में शामिल

→ रूस को 1905 में हराकर अधिक तेजी से साम्राज्यवादी प्रसार

→ द्वितीय विश्वयुद्ध में जर्मनी का साथ

∴ 19 वीं सदी में साम्राज्यवादी विस्तार से 20 वीं सदी में दो विश्व युद्ध सामने आये एवं भयंकर जन हानि हुई।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. रूसी क्रांति के क्या कारण थे? साथ ही भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन पर रूसी क्रांति के प्रभाव की विवेचना कीजिये।

(250 शब्द) 15

What were the causes of the Russian Revolution? Also discuss the impact of the Russian Revolution on Indian National Movement.

(250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

रूसी क्रांति रूसी जार शासक एवं साम्राज्य द्वारा राजनैतिक, आर्थिक शोषण का परिणाम थी, जिसे प्रथम मार्क्सवादी या साम्यवादी क्रांति कहा जाता है।

क्रांति के कारण

① राजनैतिक
- → जार शासक अत्यंत क्रूर था एवं जनता का शोषण करता था
- → राजनैतिक अकुशलता
  ↓
  जापान द्वारा रूस की पराजय होना
- → प्रथम विश्वयुद्ध में भाग लेने से राजनीतिक अस्थिरता
- → रूसी जनता आधुनिक मूल्यों जैसे - स्वतंत्रता, समानता से परिचित हो चुकी थी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[illegible] चाहिये।
(Candidate must n[illegible] write on this marg[illegible]

② **सामाजिक**
- → किसानों की दयनीय स्थिति एवं सामंतो तथा पादरियों द्वारा शोषण
- → फ्रांस के समान रूस में भी विभिन्न एस्टेट एवं असमानता
- → मजदूरों का शोषण तथा रूस का औद्योगिक विकास पर्याप्त नहीं, विदेशी पूंजीपतियों द्वारा मजदूरों को पर्याप्त सुविधा नहीं

③ **आर्थिक**
- → विश्वयुद्ध में भाग लेने से आर्थिक हानि
- → आवश्यकवस्तुओं की आपूर्ति में भी बाधा
- → करों में वृद्धि → असंतोष

④ **साम्यवाद का प्रसार**
- → रूस में कम्यूनिस्ट पार्टी का प्रसार,
- → बोलशेविक एवं मेनशेविक दलों द्वारा मजदूरों एवं किसानों को साथ में लेना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत पर प्रभाव

1. प्रथम उपनिवेशवाद विरोधी क्रांति होने से भारत में भी उत्साह का संचार

2. समाजवादी क्रांति अतः भारत में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का गठन हुआ जिसने मजदूरों एवं किसानों को संगठित किया।

3. कांग्रेस के भीतर समाजवादी मूल्यों का प्रसार - पं. नेहरू, सुभाष बोस, जयप्रकाश नारायण

4. राष्ट्रीय आंदोलन में क्रांतिकारियों पर समाजवाद का प्रभाव - भगत सिंह, चंद्रशेखर आदि

रूसी क्रांति के समाजवादी मूल्यों का भारत पर स्वतंत्रता के बाद भी प्रभाव रहा फलतः भारतीय संविधान में समाजवाद को भी स्थान मिला।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

14. भारत में हुई प्रमुख पर्यावरणीय गतिविधियों पर प्रकाश डालिये। इसके अतिरिक्त पर्यावरणीय गतिविधियों से जुड़े आर्थिक और समरूपता संबंधी मुद्दों की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

Throw light on the major environmental movements witnessed in India. Also, discuss the economic and identity issues associated with environmental movements. (250 words) 15

उम्मीदवार हाशिये में ... चाहिये। (Candidate ... write on t...

वर्तमान में औद्योगिक विकास एवं अन्य गतिविधियों के परिणामस्वरूप पर्यावरण पर संकट मंडरा रहा है। पर्यावरण का मुद्दा विकास से हमेशा जुड़ता रहा है।

भारत में अनेक पर्यावरणीय आंदोलन हुये हैं जो निम्न हैं-

① चिपको आंदोलन - वृक्षों को कटने से बचाने के लिये उत्तराखंड में सुंदरलाल बहुगुणा के नेतृत्व में

② अमृता बिश्नोई के नेतृत्व में वृक्ष बचाओ आंदोलन

(3) नर्मदा बचाओ आंदोलन - मेधा पाटकर के नेतृत्व में हाल ही में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(4) जल संकट से बचने के लिये 'अनुपम मिश्र' द्वारा जल बचाओ अभियान

(5) जैव विविधता एवं पक्षियों को संकट-पूर्ण स्थिति से ~~उबा~~ उबारने के लिये पक्षी वैज्ञानिक सलीम अली का अभियान

(6) स्वच्छ भारत अभियान - जिसका उद्देश्य महात्मा गाँधी के सिद्धांतों का पालन करना है।

(7) पशु संरक्षण संस्था PETA के विभिन्न कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ

आर्थिक मुद्दे

(1) विकास के लिये संसाधनों का दोहन करना आवश्यक किंतु अत्यधिक दोहन से पर्यावरण को नुकसान

(2) निर्वनीकरण की समस्या

(3) कार्बन उत्सर्जन से ग्लोबल वार्मिंग

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(4) मरुस्थलीकरण का बढ़ता प्रभाव

(5) डैम एवं विकास कार्यों से जैव विविधता का संकट

समरूपता संबंधी मुद्दे

(1) जनजातियों के अधिकारों का हनन
↓
वृक्ष, वन, वनोपज से उनको हटाना

(2) पुनर्वास संबंधी मुद्दे - डैम एवं सड़क निर्माण

(3) भूमि अधिग्रहण से उपजा संकट

अत: पर्यावरण और विकास दोनों सुचारू रूप से बनाये रखने के लिये सतत विकास की अवधारणा को अपनाना चाहिये।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

15. शिमला समझौते के मुख्य सिद्धांत क्या हैं? क्या आप सहमत हैं कि इस समझौते ने भारत के लक्ष्यों को पूरी तरह से प्राप्त नहीं किया?
(250 शब्द) 15

What are the key principles of Simla Agreement? Do you agree that this Agreement did not fully achieve India's objectives?
(250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत एवं पाकिस्तान के 1971 के युद्ध के परिणामस्वरूप 'शिमला समझौता' संपन्न हुआ।

प्रमुख सिद्धांत

(1) अनाक्रमण - 'दोनो देश शांतिपूर्वक एवं सहअस्तित्व की नीति का पालन करेंगे।

(2) भारत एवं पाकिस्तान के मध्य L.O.C (लाइन ऑफ कंट्रोल) पर सहमति हुई।

(3) दोनो देश सीजफायर पर सहमत हुये।

(4) भविष्य में एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने की नीति

(5) भारत पड़ोसी देशों को सहायता करेगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

शिमला सिद्धांत के परिणामस्वरूप तात्कालिक शांति की स्थापना हुई, किंतु पाकिस्तान ने धीरे-धीरे सारी शर्तों को तोड़ दिया जैसे -

1. 90 के दशक में कश्मीर मे सीमा पार आतंकवाद में पाकिस्तान की भूमिका;
2. कारगिल युद्ध;
3. सीजफायर का उल्लंघन कर गोलीबारी।
4. कश्मीर मुद्दे को अंतर्राष्ट्रीय मंचों में उठाना।

शिमला समझौते को लेकर कुछ आलोचक कहते हैं कि इसने भारत के सभी लक्ष्यों को पूरा नहीं किया और यह इंदिरा गांधी की कूटनीतिक असफलता थी क्योंकि -

1. भारत ने पाकिस्तान को पीओके देने के लिये विवश नहीं किया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं ... चाहिये। (Candidate mu... write on this m...)

drishti | दृष्टि The Vision

(2) पाकिस्तान के युद्धबंदी बिना किसी शर्त के छोड़े गये।

(3) भारत ने L.O.C को स्वीकार कर पीओके को औपचारिक मान्यता दे दी।

किंतु विवेचन करने पर स्पष्ट होता है कि भारत ने शिमला समझौता तत्कालीन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुये किया था -

(1) अंतर्राष्ट्रीय दबाव एवं तेल संकट अत: सॉफ्ट छवि बनाने की जरूरत

(2) भारत ने कभी पीओके को मान्यता नहीं दी।

(3) L.O.C केवल अस्थायी समझौता रेखा है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

16. भारत में मृदा अपरदन के कारणों की विवेचना कीजिये। भारतीय कृषि पर इसके प्रभाव का परीक्षण करते हुए कुछ सुधारात्मक उपाय सुझाइये।

(250 शब्द) 15

Discuss the causes of soil erosion in India. Examining its impact on Indian agriculture, suggest some remedial measures.

(250 words) 15

उम्मीदवार को इ... हाशिये में नहीं ... चाहिये।
(Candidate must write on this ma...

मृदा के ऊपरी परत एवं पोषक तत्वों का मौसमी क्रियाओं एवं अपरदन के कारक जैसे जल, वर्षा, हवा आदि के द्वारा हट जाना 'मृदा अपरदन' कहलाता है।

मृदा अपरदन के कारण

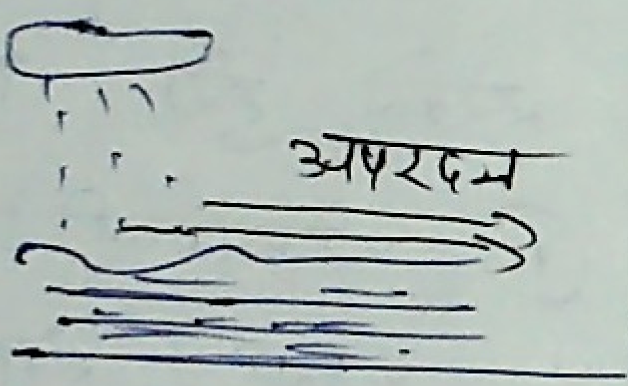

① तेज वर्षा

- वर्षा से अपक्षयण की क्रिया तेज होने से विघटन एवं मिट्टी के तत्वों का वियोजन
- पानी तेज बहने से स्थानोतरण के समय अपरदन

② नदियों द्वारा तेज बहाव से स्थानोतरण के समय पोषक तत्वों का हट कर बह जाना

③ हवा एवं आँधी का प्रभाव

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(4) मरुस्थलीकरण की प्रक्रिया से मृदा अपरदन का होना।

(6) निर्वनीकरण

- वृक्ष मृदा को जड़ो मे बाँधे रखते हैं।
- वनों की कमी मृदा अपरदन को बढ़ाती है।

कृषि पर प्रभाव

- मृदा में ह्यूमस एवं पोषक तत्व कम हो जाने से उत्पादकता में कमी
- अधिक उर्वरकों की आवश्यकता
- उर्वरता कम होना एवं भूमि का बंजर भूमि में बदलना
- मरुस्थलीकरण का प्रसार
- फसलों में पोषक तत्वों की मात्रा एवं पोषण में कमी
- जलवायु परिवर्तन के लिये सुभेद्य

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं ... चाहिये। (Candidate mu... write on this m...

सुधारात्मक उपाय

(1) मेड़ एवं नदी घाटी मे वृक्षारोपण

(2) खेतों में तेज पानी बहने से रोकना।

(3) बाड़ लगाकर - पौधों की ताकि हवा के प्रभाव को कम किया जा सके

(4) फसल का विविधीकरण

(5) जैविक उर्वरकों का प्रयोग

(6) फसल चक्र को प्रोत्साहित करना

मृदा अपरदन प्राय: एक प्राकृतिक घटना है किंतु उपयुक्त उपायों द्वारा इसके नकारात्मक प्रभाव को कम किया जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

17. उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारक कौन-से हैं? भारत में सूती वस्त्र उद्योग की अवस्थिति के लिये उत्तरदायी कारकों पर प्रकाश डालिये। (250 शब्द) 15

What are the various factors which affect location of industries? Highlight the factors responsible for location of cotton textile industry in India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उद्योग अर्थव्यवस्था का इंजिन होते हैं किंतु प्रत्येक क्षेत्र में उद्योग की अवस्थिति कुछ प्राकृतिक कारकों से प्रभावित होती है।

प्रभावित करने वाले कारक

(1) प्राकृतिक संसाधन की उपस्थिति

→ कोयला की उपस्थिति लौह इस्पात उद्योग का कारक

→ लौह अयस्क का उपस्थित होना

→ तेल / प्राकृतिक गैस की उपस्थिति पेट्रोलियम उद्योग का कारक

(2) भौगोलिक परिस्थिति का प्रभाव

- सूती वस्त्र के लिये नम जलवायु
- कृषि के ~~लिये~~ परिस्थितियाँ कृषि से संबंधित उद्योग

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं ... चाहिये। (Candidate mu... write on this m...)

③ जलवायु का प्रभाव

→ रसदार फलों के उद्योग एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिये भूमध्यसागरीय जलवायु

④ सामाजिक-राजनीतिक कारक

→ समाज में किसी उद्योग के प्रति नकारात्मक रुझान होने से उद्योग स्थापित नहीं होता
जैसे - शाकाहारी समाज में मीट उद्योग विकसित नहीं होगा

→ राजनीतिक व्यवस्था - पूंजीवादी एवं समाजवादी

भारत में सूती वस्त्र उद्योग स्थापित होने में अनेक कारक विद्यमान रहे जैसे -

① भारत की मानसूनी जलवायु - कपास का उत्पादन अधिक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(2) भौगोलिक अवस्थिति - तीन तरफ से समुद्र होने से व्यापार के लिये सुविधा

(3) डचों से व्यापार - डचों ने भारत से सूती वस्त्र का आयात किया जिससे वस्त्रों की माँग बढ़ी।

(4) हस्तशिल्प का विकास

(5) सूती वस्त्रों के प्रति सकारात्मक रुझान

विभिन्न कारकों के परिणाम-स्वरूप भारत में सूती वस्त्र उद्योग स्थापित हुये।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

18. भारत में बाल विवाह के प्रसार के क्या कारण हैं? इसके निहितार्थों पर चर्चा करते हुए इस प्रथा पर रोक लगाने के उपाय भी सुझाइये। (250 शब्द) 15

What are the reasons for prevalence of child marriages in India? While discussing its implications, also suggest measures to check this practice. (250 words) 15

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं ... चाहिये। (Candidate mu... write on this m...)

बाल विवाह भारत में बड़े रूप में अभी भी विद्यमान है। जिसके अनेक कारण हो सकते हैं।

बाल विवाह के कारण

1. सामाजिक कारण
   - सामाजिक एवं धार्मिक परंपरा
   - शिक्षा का अभाव
   - रूढ़िवादी मानसिकता
   - बेटियों को बोझ समझने की मानसिकता

2. ऐतिहासिक कारण
   - हिन्दू धर्म में आरंभ से बाल विवाह प्रचलित
   - बाल विवाह के पीछे पुरातन परंपरा की चेतना विद्यमान

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(3) एक से अधिक संतानें परिणाम स्वरूप सामूहिक विवाह की प्रवृत्ति जिससे खर्च कम हो।

(4) विवाह के पश्चात् आर्थिक बोझ कम → बेटी का विवाह करने की प्रवृत्ति

(5) सामाजिक प्रतिष्ठा का खतरा - समाज में मानसिकता होती है कि जल्दी विवाह से सुरक्षा होगी।

बाल विवाह के प्रभाव / निहितार्थ

(1) अपूर्ण शिक्षा - शिक्षा पूरी न होने से रोजगार के अवसर नहीं फलत: निर्धनता

(2) लड़कियों में जागरूकता का प्रसार न हो पाना → घरेलू हिंसा जैसे घटनायें बढ़ना

(3) जल्दी प्रजनन होना फलत: जनसंख्या वृद्धि

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(4) बाल विवाह बचपन छीन लेता है एवं सुचारु एवं सहज जीवन को कुप्रभावित करता है।

रोकने के उपाय

- कड़े कानून बनाना – बाल विवाह निषेध अधिनियम
- शिक्षा का सार्वभौमिकरण
- जागरूकता के प्रसार के लिये परामर्शदाताओं एवं निजी सामाजिक संगठनों का प्रयोग
- पुलिस तंत्र द्वारा व्यापक निगरानी
- सिविल सोसायटी की भूमिका

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

19. सुपरिष्कृत संवैधानिक तथा कानूनी उपायों के बावजूद भारत में आज भी अस्पृश्यता विद्यमान है। अस्पृश्यता उन्मूलन में भारत को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है? (250 शब्द) 15

Despite elaborate Constitutional and legal measures in place, untouchability continues to persist in India even today. What are the challenges faced in eradication of untouchability in India? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत का संविधान अनुच्छेद -17 के माध्यम से अस्पृश्यता निषेध करता है, किंतु यह आज भी विद्यमान है। इसके पीछे निम्नलिखित कारण हैं -

(1) धार्मिक रीति- रिवाजों एवं जाति प्रथा मे एक जाति को नीचा माना जाना

(2) हिन्दू समाज में अपवित्र की अवधारणा - चार वर्णों मे विभिन्न संस्कार प्रचलित होते है, इनमें से शूद्र वर्ण को इन संस्कारों का अधिकार नहीं।

विभिन्न संवैधानिक एवं कानूनी उपाय

(1) अनुच्छेद -17
(2) सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम
(3) अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार) निवारण अधिनियम

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इ
हाशिये में नहीं लि
चाहिये।
(Candidate must
write on this ma

अस्पृश्यता उन्मूलन में चुनौतियाँ

① जड़ धार्मिक परंपरायें

② जागरूकता एवं शिक्षा का अभाव

③ अधिकारों के दुरूपयोग के लिये जाति-प्रथा को बढ़ावा

④ ऊँच-नीच की मानसिकता इसलिये बनाये रखना क्योंकि इससे अवैध लाभ प्राप्त होते हैं।

(5) प्रशासनिक इच्छाशक्ति में कमी

⑥ कानूनों का उल्लंघन

⑦ निम्न वर्गों में अधिकारों के प्रति जागरूकता नहीं तथा शिक्षा का अभाव

⑧ निम्न वर्गों के पास रोजगार के अन्य अवसर उपलब्ध न होना

(9) तथाकथित शिक्षित लोगों द्वारा इस प्रकार की मानसिकता को प्रोत्साहन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आगे की राह

- कानूनों का प्रभावी अनुपालन
- व्यापक निगरानी एवं शिकायत तंत्र
- सामाजिक संगठनों के माध्यम से जागरूकता
- स्कूलों एवं कॉलेजों में सेमिनारों का आयोजन करना
- बाध्यकारी संपर्क के माध्यम से अस्पृश्यता उन्मूलन का प्रयास

समाज को बेहतर एवं सभ्य बनाने में अस्पृश्यता उन्मूलन अति आवश्यक है तभी भारत सतत विकास लक्ष्यों में समानता का लक्ष्य पूरा कर पायेगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

20. भारत में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के लिये कौन-से विभिन्न कारक उत्तरदायी हैं? नशीली दवाओं के दुरुपयोग के बहुआयामी प्रभावों की चर्चा कीजिये और उपचारात्मक उपाय भी सुझाइये। (250 शब्द) 15

What are the various factors responsible for drug abuse in India? Discuss the multidimensional impact of drug abuse and also suggest remedial measures. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत मे प्रति 1600 मरीजों पर एक ही डॉक्टर उपलब्ध है, इसका परिणाम यह होता है कि बिना मेडिकल असिस्टेंट के नशीली दवाओं की बिक्री होती है।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग के कारक

(1) अशिक्षा एवं जागरूकता की कमी
(2) मेडिकल में अवैध रूप से बिक्री
(3) नशाखोरी की बढ़ती प्रवृत्ति
(4) युवाओं में ड्रग्स के प्रति सकारात्मक रवैया
(5) ड्रग्स के दुष्प्रभाव की जानकारी का अभाव
(6) अवैध निर्माण होने से सस्ते रेट पर नशीली दवाओं का उपलब्ध होना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बहु आयामी प्रभाव

- स्वास्थ्य पर संकट
- अवैध व्यापार
- आउट ऑफ पोकेट खर्च अधिक
- नार्को टेररिज्म का खतरा
- समाज में अव्यवस्था एवं अराजकता
- युवाओं के नशाखोर होने की प्रवृत्ति
- गंभीर अपराध

उपचारात्मक उपाय

→ रेगुलेशन एवं नियंत्रण के लिये तंत्र बनाना – हाल ही में इसके लिये बिल पारित किया गया।

→ ओवर द काउंटर दवाओं की बिक्री पर रोक

→ अवैध उत्पादन पर प्रतिबंध एवं व्यापक निगरानी लगाना

→ स्कूल के पाठ्यक्रम में नशीली दवाओं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

के दुष्प्रभाव को पढ़ाया जाना।

→ सेमिनारों एवं वर्कशॉप का आयोजन करना

उम्मीदवार को इ
हाशिये में नहीं लि
चाहिये।
(Candidate must
write on this mar

Copyright – Drishti The Vision Foundation